जोधपुर से 153 अवैध बांग्लादेशियों का जत्था फ्लाइट से पश्चिम बंगाल भेजा

अवैध बांग्लादेशियों के एक और जत्थे को रवाना किया

जोधपुर, (कासं)। भारत-पाक में हुई तनावपूर्ण स्थिति के बाद अब प्रदेशभर में अवैध बांग्लादेशियों की पहचान कर उन्हें वापस भेजा जा रहा है। अवैध बांग्लादेशियों की धरपकड़ करने का सिलसिला कई दिनों से जारी है। इस अभियान के तहत शुक्रवार को 153 अवैध बांग्लादेशियों का एक जत्था फ्लाइट से पश्चिम बंगाल भेजा गया है। वहां से इन्हें बांग्लादेश डिपोर्ट किया जाएगा। राजस्थान से अब तक (14 से 23 मई तक) 301 अवैध बांग्लादेशियों को भेजा जा चुका है।

जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल ने बताया कि शुक्रवार को 153 अवैध बांग्लादेशियों का एक जत्था जोधपुर से रवाना किया गया। इन अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को शुक्रवार सुबह कड़ी सुरक्षा में जोधपुर एयरपोर्ट लाया गया। इसके बाद एक विमान से इन्हें पश्चिम बंगाल रवाना किया। वहां से बीएसएफ इन्हें बांग्लादेश में डिपोर्ट करेगी। उन्होंने बताया कि प्रदेशभर में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी पकड़े जा रहे हैं। इन्हें पकड़ने का अभियान आने वाले समय में भी चलेगा। गौरतलब है कि इससे पहले 14 मई को सीकर से 148 बांग्लादेशियों को जोधपुर लाया गया था, जिन्हें एयरफोर्स स्टेशन से सेना के विशेष विमान से भेजा गया था। राजस्थान में 17 जिलों से 1008 संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा गया था। इनमें जयपुर रेंज में ही 761 बांग्लादेशी हैं। सीकर में 394 अवैध बांग्लादेशी पकड़े गए। दस्तावेजों की जांच के बाद पहली खेप सीकर से 14 मई को 148 बांग्लादेशी नागरिकों की जोधपुर लाई गई थी। इन्हें पहले जोधपुर लाया गया था। यहां से सेना के विशेष विमान से भेजा गया था अब शुक्रवार को दूसरी खेप में 153 बांग्लादेशी नागरिकों को पश्चिम बंगाल भेजा गया है। वहां से इन्हें बीएसएफ बांग्लादेश डिपोर्ट करेगी।

- **पहलगाम में आतंकी हमले के बाद सरकार हरकत में आई थी, राजस्थान से अब तक (14 से 23 मई तक) 301 अवैध बांग्लादेशियों को भेजा जा चुका है**

पहलगाम में आतंकी हमले के बाद सरकार हरकत में आई थी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जिलों में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी और रोहिंग्याओं को ढूंढने को कहा था। इसके लिए बाकायदा अभियान चलाया गया। इसके बाद विभिन्न जिलों में अवैध रूप से रह रहे ऐसे नागरिकों को पकड़ा गया। ये लोग अपनी पहचान छुपाकर रह रहे थे। अभियान के तहत प्रदेश के अलग-अलग जिलों से पहचान छुपाकर रह रहे संदिग्ध बांग्लादेशियों को पकड़कर डिटेंशन सेंटर पर रखा गया था। पहले चरण में 14 मई को 148 घुसपैठियों को जयपुर के प्रतापनगर डिटेंशन सेंटर से जोधपुर लाया गया था।

राजस्थान में बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ विशेष अभियान के तहत छह डिटेंशन सेंटर बनाए गए हैं। इनमें अलवर, उदयपुर का झाड़ोल, नागौर के मेड़ता, बहरोड़ में एक-एक और जयपुर में दो डिटेंशन सेंटर बनाए गए हैं। इनमें अलवर का डिटेंशन सेंटर स्थायी है, जबकि घुसपैठियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करने के लिए पांच अस्थायी डिटेंशन सेंटर बनाए गए हैं। इन डिटेंशन सेंटर में करीब 1008 बांग्लादेशियों को डिटेन किया गया है।

एनडीपीएस कोर्ट ने डोडा चूरा तस्कर को सजा सुनाई

तस्कर को 4 साल की कैद और 40 हजार के जुर्माने से दंडित किया

भीलवाड़ा, (निसं)। विशिष्ट न्यायाधीश एनडीपीएस कोर्ट ने डोडा-चूरा तस्करी के मामले में तस्कर को 4 साल की कैद और 40 हजार के जुर्माने से दंडित किया है।

विशिष्ट लोक अभियोजक रामस्वरूप गुर्जर ने बताया कि 29 जून 2019 को पारोली थाने के तत्कालीन थाना प्रभारी खीवराज गाडरी खेड़ा रोड स्थित तिराहे पर नाकाबंदी कर वाहनों की जांच कर रहे थे। इस दौरान छापडेल रोड की ओर से एक अल्टो कार आई जिसे चालक भगाकर कवलियास तालाब की ओर ले गया। पुलिस ने कार का पीछा किया तो आगे रास्ता बंद होने से उक्त कार को छोड़कर चालक भागने लगा, जिसे पुलिस ने पकड़ा और पूछताछ की तो उसने खुद को मांडलगढ़ थाना क्षेत्र के सारण का खेड़ा निवासी नारायण सिंह पुत्र मनोहर सिंह राजपूत बताया। पुलिस ने कर की तलाशी ली तो उसमें 5 प्लास्टिक के कट्टों में 48 किलो 500 ग्राम का डोडा-चूरा मिला, जिसे पुलिस ने कार सहित जब्त कर नारायण को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया। अनुसंधान के बाद पुलिस ने आरोपित नारायण सिंह के खिलाफ न्यायालय में चालान पेश किया। ट्रायल के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से 10 गवाहों के बयान दर्ज करवाते हुए 69 दस्तावेज पेश कर नारायण सिंह पर लगे आरोप सिद्ध करवाये। न्यायालय ने आरोपी नारायण को 4 साल की कठोर कैद और 40 हजार के जुर्माने से दंडित किया है।

पुलिस ने आरोपी को एनडीपीएस कोर्ट में पेश किया।

हादसे में दो की मौत

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर में सड़क हादसे में नवविवाहित युवक और उसकी बुआ की मौत हो गई। परिवार की 3 महिलाएं भी बुरी तरह घायल हो गईं। हादसा ऋषभदेव थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-48 पर कल्लाजी मंदिर के पास सुबह 7.30 बजे हुआ जब एक तेज रफ्तार कार ने ओवरटेक करने के चक्कर में कार को टक्कर मार दी। इस टक्कर से कार डिवाइडर से टकराते हुए पलट गई। हादसे में नैना देवी बेन (50) और पवन (28) की मौत हो गई। पवन की तीन दिन पहले ही शादी हुई थी। वह अपनी नवविवाहिता पत्नी और पूरे परिवार के साथ गुजरात के अंकलेश्वर से अजमेर घूमने जा रहा था।

एक रुपए का ऑनलाइन पेमेंट कर महिला ने लाखों का सोना ठगा

अलवर, (निसं)। अलवर में एक रुपए का ऑनलाइन पेमेंट कर दुकानदार से 1.54 लाख रुपए का सोना ठगने का मामला सामने आया है। महिला-पुरुष अंगूठी खरीदने के बहाने दुकान पर पहुंचे थे। इसके बाद दुकानदार ने अंगूठी दिखा दी। महिला ने ऑनलाइन पेमेंट करने की बात कही। पहले एक रुपया दुकानदार के खाते में डालकर मैसेज दिखाया। दूसरी बार में उसी मैसेज को एडिट कर 1.54 लाख रुपए का दिखा दिया। दुकानदार से कह दिया कि एनईएफटी किया है। दो घंटे में ये पैसा आपके खाते में आ जाएगा। दुकानदार ने मैसेज देखकर विश्वास कर लिया। खाते में पैसा नहीं आने पर शिवाजी पार्क थाने में मुकदमा दर्ज कराया, जिसके सीसीटीवी भी सामने आए हैं। मामला अलवर शहर के शिवाजी पार्क का है।

पीड़ित ज्वेलर सुरेन्द्र कुमार सोनी ने बताया कि उसकी दुकान में मंगलवार को जींस-टीशर्ट और चश्मा लगाए एक महिला व एक पुरुष आए थे। उनके साथ एक छोटी बच्ची भी थी। महिला ने कहा- इमरजेंसी में अंगूठी और मंगलसूत्र खरीदना है। पहले तो दुकानदार ने मना कर दिया। तब महिला ने कहा कि मुझे इमरजेंसी है। मंगलवार के कारण बाजार में दुकानें बंद हैं इसलिए ज्वेलरी यहीं से लेनी है। महिला ने कुल 15.2 ग्राम आभूषण खरीदे थे। जिनकी कीमत 1 लाख 54 हजार 500 रुपए थी। महिला ने आईसीआईसी बैंक से पहले एक रुपया बैंक खाते में डाला, जो आ गया। उसके बाद महिला ने उसी मैसेज को एडिट किया और कहा कि एनईएफटी के जरिए पैसा डाला है। दो घंटे में आ जाएगा। इस मैसेज को भी दिखाया। एक फर्जी ट्रांजैक्शन रसीद वॉट्सऐप पर भेजी और जल्द राशि आने का बहाना बनाकर सामान लेकर चले गए। बैंक से जांच कराने पर पता चला कि ट्रांजैक्शन फर्जी था। असली भुगतान नहीं हुआ था। बाद में महिला से संपर्क करने पर उसने धमकी दी और भुगतान से मना कर दिया। पुलिस ने दुकानदार की शिकायत पर मामला दर्ज किया है। दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज और वॉट्सऐप नंबर के आधार पर पुलिस ठगों की पहचान में जुटी है।

सरदार पटेल की प्रतिमा का अनावरण 29 को

डूंगरपुर/बांसवाड़ा, (निसं)। ज़िले के नागनसेल गांव में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की भव्य प्रतिमा का अनावरण 29 मई को होगा।

इसके साथ ही गांव में श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव भी 28-31 मई तक होंगे। जिसमें 28 मई को प्रायश्चित कर्म, हेमाद्रि संकल्प, देहशुद्धि नूतन यज्ञोपवीत धारण होगा। 29 मई को प्रात: आठ बजे से दीप प्रज्वलन, गणपति पूजन, पंचांग कर्म, मंडप प्रवेश, ब्राह्मण वरण, अग्नि स्थापन, ग्रह स्थापन, कुटीर होम, जलाधिवास, सायं पूजा, धान्याधिवास, लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा का अनावरण होगा। 30 मई को गणपत्याधावाहित देवता पूजन, गृह स्थापन, ग्रह होम, कलश यात्रा, शोभायात्रा, मंदिर वास्तु, अस्त भिक्षु, होम शांति, पौष्टिक होम, लक्ष्मीनारायण याग महास्नपन, तत्वन्यास, शय्याधिवास, सायं पूजन व आरती होगी। 31 मई को गणपत्याधावाहित देवता पूजन, लक्ष्मीनारायण याग, शिखर ध्वज प्रतिष्ठा, प्रसादोतिसर्ग, अचल प्रतिष्ठा, प्रतिष्ठा होम, उत्तर तन्त्र, पूर्णाहुति एवं महाआरती होगी। इसके बाद में दोपहर 12 बजे से महाप्रसाद का आयोजन होगा। गाँव के मुकेश पाटीदार ने बताया कि गाँव में अन्य धरोहर के रूप में श्री पितृ देव चबूतरा, श्री भैरव दादा मंदिर, श्री हनुमान दादा मंदिर, श्री कल्लाजी राठौड मंदिर, श्री कालिका माताजी मंदिर व श्री सीरा बावसी का मंदिर शामिल हैं।

अजमेर पैंथर सफारी प्रोजेक्ट एक बार फिर वित्तीय बाधाओं में उलझा

राज्य सरकार द्वारा योजना की घोषणा के बावजूद बजट आवंटन नहीं होने से परियोजना रुकी

अजमेर, (कासं)। अजमेर के काजीपुरा स्थित श्रीगंगा भैरव घाटी के जंगल में प्रस्तावित पैंथर सफारी प्रोजेक्ट एक बार फिर वित्तीय बाधाओं में उलझ गया है। राज्य सरकार द्वारा योजना की घोषणा के बावजूद बजट आवंटन नहीं होने से परियोजना रुक गई है। वन विभाग द्वारा जिला कलेक्टर को एक पत्र लिखकर बजट मंजूरी की मांग की है।

तीन करोड़ रुपए के फंड ट्रांसफर का भेजा प्रस्ताव :-वन विभाग ने अब कलेक्टर को तीन करोड़ रुपए के फंड ट्रांसफर के लिए प्रस्ताव भेजा है, ताकि अन्य मदों से संसाधन जुटाकर परियोजना को गति दी जा सके। इस प्रोजेक्ट को विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने राज्य बजट में शामिल करवाया था। अजमेर के अलावा दो अन्य जिलों में भी पैंथर सफारी के लिए घोषणाएं हुई थीं, लेकिन कहीं भी आवश्यक वित्तीय सहायता नहीं मिली। वन विभाग ने पूर्ववर्ती कांग्रेस शासन के दौरान मनरेगा के तहत पैदल मार्ग और हाल ही में सफारी के लिए कच्चे रास्ते का निर्माण कराया था। इन दोनों कामों के लिए फंड जुटाना भी विभाग के लिए चुनौतीपूर्ण रहा। अब जब इस प्रोजेक्ट के मुख्य कार्य शुरू होने हैं, तो बजट की अनुपलब्धता एक बड़ी रुकावट बन गई है। वन विभाग ने कलेक्टर लोकबंधु को प्रस्ताव भेजकर कैम्पा या अन्य योजनाओं से फंड ट्रांसफर की स्वीकृति मांगी है। फिलहाल यह फाइल कलेक्टर ऑफिस में लंबित है और मंजूरी के बाद ही फंड ट्रांसफर संभव हो पाएगा।

- **वन विभाग द्वारा जिला कलेक्टर को पत्र लिखकर बजट मंजूरी की मांग की है**

काजीपुरा स्थित श्री गंगा भैरव घाटी तथा निरीक्षण करती टीम का फाइल फोटो।

क्षेत्र में पैंथर का मूवमेंट :-इसी बीच, पैंथर मूवमेंट को लेकर विभाग में असमंजस की स्थिति है। आमतौर पर गर्मी के मौसम में तारागढ़, पुष्कर घाटी, सोमलपुर जैसे इलाकों में पैंथरों की सक्रियता दर्ज होती रही है लेकिन इस बार अभी तक कोई मूवमेंट नहीं दिखा। केवल काजीपुरा जंगल में जेसीबी के पीछे एक पैंथर देखा गया, जिसे मजदूरों ने शोर मचाकर भगा दिया। इसे मूवमेंट की श्रेणी में शामिल नहीं किया गया क्योंकि यह उनका प्राकृतिक आवास क्षेत्र है। वन विभाग ने कलेक्टर से जल्द बजट प्रस्ताव मंजूर करने की बात कही।

कोटा की जरी साड़ी ने कान्स फिल्म फेस्टिवल में चमक बिखेरी

फ्रांस में आयोजित कान्स फिल्म फेस्टिवल में रेड कार्पेट पर कोटा ज़री साड़ी ने बिखेरी चमक, सबका ध्यान अपनी और आकर्षित किया

कोटा, (निसं)। हर वर्ष जब कान्स फिल्म फेस्टिवल की चकाचौंध दुनियाभर के सिनेमा प्रेमियों और कलाकारों को आकर्षित करती है, तब यह केवल फिल्मों का मंच नहीं रहता, यह सांस्कृतिक संवाद और वैश्विक सौंदर्यबोध का भी प्रतीक बन जाता है।

- **कोटा की प्रीति सिंह पारीक ने कोटा जरी साड़ी को नई पहचान दिलाई**

ऐसे में, जब एक भारतीय हस्तशिल्प परिधान इस रेड कार्पेट पर अपनी गरिमा से सबका ध्यान खींचे, तो यह केवल एक फैशन स्टेटमेंट नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक वक्तव्य बन जाता है। कोटा ज़री साड़ी ने भी कोटा का नाम विश्व पटल पर ला दिया है।

कोटा की प्रीति सिंह पारीक की बनी ज़री साड़ी की चमक फ्रांस में फैली है। फ्रांस में आयोजित कान्स फिल्म फेस्टिवल में मास्टरकार्ड के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर राजा राजमन्नार की पत्नी ज्योति राजामन्नार ने कोटा ज़री साड़ी पहनकर रेड कार्पेट पर कोटा की ज़री साड़ी की चमक को बढ़ाया है।

सोनचिरैया की सह-संस्थापक प्रीति सिंह पारीक ने बताया कि कोटा की पारंपरिक ज़री साड़ी कान्स फिल्म फेस्टिवल के आकर्षण का केंद्र बनी। इन साड़ियों की खूबसूरती, बुनाई और उस पर किया गया जरी कार्य इतना सूक्ष्म और भव्य है कि हर कोई मंत्रमुग्ध हो गया।

प्रीति ने यह भी साझा किया कि इससे पहले महारानी राधिका राजे गायकवाड़, महारानी अम्बिका राजे, मायूरभंज की महारानी राशमी राजे, टीना अम्बानी ने अनंत-राधिका की शादी में और बॉट के संस्थापक अमन गुप्ता की पत्नी प्रिया गुप्ता जैसे प्रतिष्ठित नाम भी कोटा ज़री साड़ी की शोभा बढ़ा चुके हैं।

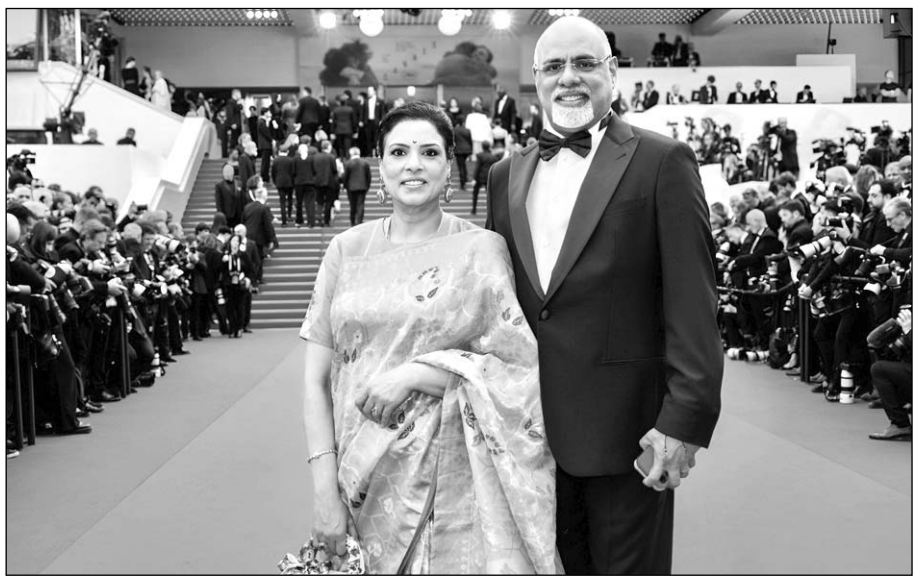

कोटा की जरी की साड़ी कान्स फिल्म फेस्टिवल में अपनी चमक बिखेर रही है।

मारवाड़ में भीषण गर्मी से आमजन बेहाल, नौतपा 25 से

जोधपुर, (कासं)। मानसून आने में अभी भी सवा महिना बाकी है। मारवाड़ इन दिनों भीषण गर्मी से झुलस रहा है। दिन तो दिन अब रात में भी चैन नसीब नहीं हो पा रहा है। रात को भी गर्म हवाएं परेशान कर रही है। सुबह दिन चढ़ने के साथ ही सूर्यदेव के तेवर तीखे होते जाते हैं और देखते ही देखते तापमान आसमां छूने लगता है। मूक पशु-पक्षियों से लेकर आम आदमी इन दिनों गर्मी से बेहाल है। ऐसे में उल्टी-दस्त की शिकायतें भी बढ़ रही है। लोगों को रूझान ठंडे पेय पदार्थों की तरफ ज्यादा होने लगा है। इधर भीषण गर्मी के बावजूद भी यातायात पुलिस द्वारा ट्राफिक सिग्नल को येलो जोन में नहीं लाया गया है। कई स्थानों पर अब भी वाहन चालकों को ट्रैफिक की लाल लाइट पर रूकना पड़ रहा है। हर बार नगर निगम द्वारा वाहन चालकों के लिए चौराहों पर छांव के लिए टेंट लगाए जाते हैं, मगर इस बार यह भी नजर नहीं आ रहे है। चौराहों पर ठंडा पानी भी नहीं रखा गया है। ताकि किसी राहगीर की भी प्यास बुझ सकें।

भीषण गर्मी के बीच में जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल ने अपील जारी कर लोगों से बचाव की बात की है। जरूरी काम से ही बाहर निकलने की हिदायत दी गई है। सरकारी गाइड लाइन की पालना करने को कहा ताकि वे भीषण गर्मी से खुद का बचाव कर सकें। अत्यधिक गर्मी के कारण अस्पतालों को विशेष व्यवस्थाएं करने को कहा गया है। तापघात के मरीजों के लिए अलग से वार्ड बनाए गए हैं। दोपहर दो से शाम पांच बजे तक अनाश्वयक रूप से बाहर नहीं निकलने को कहा है। सूर्यदेव 25 मई की आधी रात में रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। जोकि 8 जून तक इस नक्षत्र पर रहेंगे उसके बाद मंगल के मृगशिर नक्षत्र में चले जाएंगे। इस बीच में 25 मई से 2 जून तक यानी पूरे 9 दिन तक नौतपा रहेगा। जिसके कारण सूर्यदेव की किरणें सीधे धरती पर रहेगी और आमजन को बुरी तरह प्रभावित कर सकती है। नौ तपा में पड़ने वाली गर्मी से आने वाले दिनों में अच्छी बारिश की संभावना भी जताई जाती है।

हालांकि प्रदेश के कुछ हिस्सों में अब भी आंधी बारिश का दौर चल रहा है। मगर पश्चिम राजस्थान में पिछले 15 दिनों से लगातार भीषण गर्मी ने आमजन को बेहाल किया है। उससे पहले पश्चिमी विक्षोभ बनने से गर्मी से निजात मिली थी। अब प्रदेश पर कोई विक्षोभीय असर नहीं होने से गर्मी अपने प्रचंड रूप में है। जोधपुर के अलावा जैसलमेर, बाड़मेर, जालौर, सिरोही, पाली, बालोतरा और फलोदी में कमोबेश यही हालात है।

प्रवेश पत्र 29 मई को अपलोड होंगे

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक अभियोजन अधिकारी (मुख्य) परीक्षा-2024 का आयोजन आगामी एक जून को अजमेर जिला मुख्यालय पर किया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रमानुसार सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक प्रश्न पत्र प्रथम एवं दोपहर 3.30 से 5.30 बजे तक प्रश्न पत्र द्वितीय की परीक्षा आयोजित की जाएगी।

- **सहायक अभियोजन अधिकारी मुख्य परीक्षा-2024**

इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग की संयुक्त सचिव ऋषिबाला श्रीमाली ने बताया कि 29 मई को परीक्षा के प्रवेश पत्र आयोग की वेबसाइट एवं एसएसओ पोर्टल पर अपलोड किए जाएंगे। इस अनुसार अभ्यर्थी यथाशीघ्र प्रवेश पत्र डाउनलोड कर लेवें। प्रवेश पत्र आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध एडमिट कार्ड लिंक के माध्यम से आवेदन पत्र क्रमांक व जन्म दिनांक प्रविष्ट कर डाउनलोड किए जा सकेंगे। इसके अतिरिक्त एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर सिटीजन ऐप्स में उपलब्ध रिक्रूटमेंट पोर्टल लिंक से भी प्रवेश पत्रों को डाउनलोड किया जा सकता है।

अजमेर में सम्राट पृथ्वीराज चौहान मैराथन दौड़ में शहरवासियों का उत्साह दिखा

अजमेर, (कासं)। सम्राट पृथ्वीराज चौहान की 859 वीं जयंती के अवसर पर शुक्रवार को शहर के अपार जनसमूह ने मैराथन दौड़ में भाग लेकर इतिहास पुरुष को नमन किया। यह दौड़ बस स्टैंड के पास डॉ. भीमराव अम्बेडकर सर्किल से प्रारम्भ होकर विभिन्न मार्गों से होती हुई पुन: इसी परिसर पर सम्पन्न हुई। नन्हे-मुन्ने बच्चों से लेकर 92 वर्षीय वरिष्ठ नागरिक के साथ सी.आर.पी एफ., राजस्थान पुलिस एवं अन्य संस्थाओं के पुरुष एवं महिला धावकों ने इसमें भाग लेकर कीर्तिमान बनाया।

समारोह समिति के खेल संयोजक विनीत लोहिया ने बताया कि शुक्रवार को प्रात: छह बजे अम्बेडकर सर्किल से दौड़ की पहली कड़ी के रूप में वरिष्ठजन पुरुष एवं महिला वर्ग का शुभारंभ मुख्य अतिथि राजस्व मंडल के एडिशनल रजिस्ट्रार हेमंत स्वरूप माथुर, आचार्य यशवंत, पूर्व उपमहापौर संपत सांखला, राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के पूर्व सदस्य कंवल प्रकाश किशनानी, सीआरपीएफ तथा राजस्थान पुलिस के अधिकारियों ने किया। वरिष्ठजनों ग्रुप की यह दौड़ सर्किल से प्रारंभ होकर जिला परिषद मार्ग से होते हुए श्री रामकृष्ण परमहंस सर्किल, आजाद पार्क, अजमेर क्लब, ज्योतिबाराव फूले सर्किल से होते हुए कलेक्ट्रेट के सामाने मार्ग से पुन: सर्किल पर सम्पन्न हुई। आम शहरवासियों के लिए यह दौड़ एलिवेटेड रोड़ पर चढ़ते हुए आगरा गेट की ओर भुजा से नीचे उत्तर कर अग्रसेन सर्किल होते हुए पुन: अम्बेडकर सर्किल पर सम्पन्न हुई। 4 से 5 किमी की इस दौड़ में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ग्रुप केन्द्र-प्रथम, राजस्थान पुलिस व विभिन्न संस्थाओं के सदस्य एवं शहरवासियों ने भाग किया। वरिष्ठजन वर्ग के लिए अलग मार्ग पर दौड़ आयोजित को गई।

समारोह समिति के कंवल प्रकाश किशनानी ने बताया कि अलग-अलग वर्ग के प्रथम दस स्थान प्राप्त करने वाले धावक-धाविकाओं को टी-शर्ट, प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। शंकर आयुर्वेदी, केशव माधव परमार्थ मंडल के सौजन्य से टी-शर्ट तथा स्वामी ग्रुप-रसोई फेमली रेस्टोरेंट की ओर से सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। समिति के वरिष्ठ सदस्य भैरू गुर्जर ने राजस्थान पुलिस, यातायात पुलिस, सीआरपीएफ एवं अन्य सभी सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त किया।

सम्राट पृथ्वीराज चौहान की 859 वीं जयंती के अवसर पर जनसमूह ने मैराथन दौड़ में भाग लिया।

- **नन्हे-मुन्ने बच्चों से लेकर 92 वर्षीय वरिष्ठ नागरिक के साथ सी.आर.पी एफ., राजस्थान पुलिस एवं अन्य संस्थाओं के पुरुष एवं महिला धावकों ने दौड़ में भाग लिया**

92 वर्षीय अग्रवाल बने प्रेरणास्त्रोत :-इस दौड़ में जहां युवा खिलाड़ियों की भरमार के साथ पुलिस एवं सीआरपीएफ के पुरुष एवं महिलाओं का बोलबाला रहा। वहीं 92 वर्षीय अग्रवाल सभी के प्रेरणा बने। उन्होंने वरिष्ठजन वर्ग की दौड़ को न सिर्फ पूरा किया अपितु प्रथम तीन स्थान में अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर सभी की वाहवाही लूटी। इसके साथ ही दह वर्ष की आयु के नन्हे-मुन्नों से लेकर 10 वर्ष तक के छात्र-छात्राओं ने भारी उत्साह से दौड़ में भाग लिया।